दैनिक
डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com
वर्ष : 8 अंक : 300 | इंदौर, बुधवार 10 मई, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. Karnataka: दिग्गज अरबपति ने लाइन में खड़े होकर डाला वोट, युवाओं को दी बड़ी सीख, बोले- बिना मतदान, आलोचना नहीं
2. Russia: बाखमुत में पीछे हट रहे रूसी सैनिक, वैगनर ग्रुप चीफ ने अपने ही सैन्य कमांडरों को बताया बेवकूफ
3. Jalandhar Bypoll: जालंधर में मतदान आज, पहली बार बूथों पर वेब कास्टिंग, सुरक्षा बलों की 70 कंपनियां तैनात
4. Chandigarh News: नर्सिंग की 36 छात्राओं ने नहीं सुनी 'मन की बात', एक हफ्ते तक हॉस्टल से बाहर जाने पर लगी रोक
5. Cold Wave Himachal: हिमाचल में 36 साल बाद मई में फिर लौटकर आई ठंड, कई क्षेत्रों का न्यूनतम पारा माइनस में
6. West Bengal: रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर ममता बनर्जी ने गाया गाना, बोलीं- साहित्य और कला में उनका महान योगदान
7. Pakistan : इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में फैली हिंसा, सैन्य मुख्यालय पर हमला, आगजनी

नशे पर सीएम का एक्शन

कहा -नशे का कारोबार करने वालों की संपत्ति जब्त करें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। नशे पर अंकुश लगाने के लिए सीएम एक्शन में आ गए हैं और अब नशे के सौदागरों पर सख्ती की जाएगी। इसके चलते मध्यप्रदेश में नशे का कारोबार करने वालों को लेकर सरकार सख्ती बढ़ाएगी। नारकोटिक्स समन्वय तंत्र की मंगलवार को मंत्रालय में हुई राज्य स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ऐसे लोगों को चिह्नित करने, उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने और उनकी संपत्ति जब्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमें नशामुक्त मध्य प्रदेश बनाना है।

इस कारोबार में लगे लोग सबसे खतरनाक अपराधी हैं। सरकार ने बार, पब, रेस्टोरेंट आदि में नशे से होने वाले नुकसान पर केंद्रित साइन बोर्ड लगाना अनिवार्य कर दिया है। बैठक में डार्कनेट, क्रिप्टो करेंसी और आनलाइन शापिंग से हो रहे मादक पदार्थों के व्यापार पर रोक लगाने संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे और उसके कारोबार पर नियंत्रण के लिए तकनीक का उपयोग करें।

नशा-मुक्ति केंद्र संचालित करें

खुफिया तंत्र को सक्रिय और मजबूत करें। अन्य राज्यों के नवाचारों को लागू करें। युवा वर्ग को जागरूक करने के लिए प्रदेश में व्यापक स्तर पर जनजागरण अभियान चलाएं। युवाओं को नशा न करने की शपथ दिलाएं और स्कूल, कालेजों में गतिविधियां संचालित करें। इसे लेकर स्कूल, कालेजों और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतें। यह बैठक जिले में प्रत्येक माह करें। आवश्यकता के अनुसार नशा-मुक्ति केंद्र संचालित करें।

मुस्लिम उदार हैं, तो द केरल स्टोरी का स्वागत करें

हिंदू राष्ट्र पर कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी बोले- यहां रहने वाले पशु-पक्षी भी हिंदू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना। गुना में श्रीराम कथा करने आए कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी ने फिल्म ह्यद केरल स्टोरी पर कहा है कि इसे दुनियाभर में दिखाया जाना चाहिए। मुस्लिम अगर उदार हैं और उनके अंदर सहानुभूति है, तो वे भी इस फिल्म का स्वागत करेंगे। हमारे धर्म के ऊपर कई बार फिल्म बनाई गई हैं, हमने उसे सहन किया है। यही हिंदू की सबसे बड़ी पहचान है।

डेमोक्रेसी सर्वाइव ही इसीलिए कर सकती है, क्योंकि यह हिंदू राष्ट्र है। मैं यह कहूं कि मुझे हिंदू राष्ट्र बनाना है, तो यह राजनीतिक कदम होगा, लेकिन अगर मैं यह कहूंगा कि हिंदू राष्ट्र है, तो यह समझदारी का विषय होगा। हिंदुस्तान में रहने वाला पशु-पक्षी भी हिंदू है।

गुना के दशहरा मैदान में 5 दिवसीय श्रीराम कथा करने आए पुंडरीक गोस्वामी महाराज गौड़ीय परंपरा के वंश में 38वें आचार्य हैं।

पुंडरीक गोस्वामी प्रसिद्ध संत अतुल कृष्ण गोस्वामी महाराज के पौत्र और प्रसिद्ध भागवत वक्ता श्रीभूति कृष्ण गोस्वामी महाराज के पुत्र हैं।

कांग्रेस सरकार बनते ही महिलाओं को मिलेगी 1500 रू. प्रतिमाह आर्थिक सहायता

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव बोले - उखाड़ फेंकेंगे शिवराज सरकार

पूर्व महिला अध्यक्ष शोभा ओझा बोली - चलगा नारी सम्मान योजना अभियान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इन्दौर। 15 महीने की कमलनाथ सरकार में महिलाओं के लिये सबसे अधिक योजनाएं लागू की गई थी, कमलनाथ सरकार में महिला अत्याचारों में आई सर्वाधिक कमी रही। यह बात पूर्व केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने पत्रकार वार्ता में कही।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार बनते ही इस योजना के तहत महिलाओं को 1500 रु. प्रतिमाह आर्थिक सहायता और 500 रू. में रसोई गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराया जायेगा। इस तरह से एक तरफ कांग्रेस सरकार महिलाओं को सालाना 18000 रू. देगी तो दूसरी तरफ मौजूदा कीमतों पर हर सिलेण्डर पर महिलाओं को 600 रू. से अधिक की बचत होगी। यानी सालाना लगभग 25 हजार रुपए की बचत होगी।

पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष शोभा ओझा ने कहा कि महिलाओं के विषय में इस तरह की योजना लाने का संकल्प कमलनाथ जी जैसे दूरदृष्टि रखने वाले नेता ही कर सकते हैं। हम आपको बताना चाहते हैं कि आज से ही पूरे प्रदेश में नारी सम्मान योजना के फार्म भरना शुरू हो जायेंगे। इस कार्य में कांग्रेस पार्टी के बूथ पदाधिकारी, मंडल और सेक्टर के पदाधिकारी, ब्लाक और विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी से लेकर प्रदेश स्तर तक के पदाधिकारी शामिल रहेंगे।

इस योजना का फार्म भरवाने का काम घर-घर जाकर कराया जायेगा। कांग्रेस का कार्यकर्ता इस फार्म को भरवायेगा और उसकी पावती रसीद पार्टी कार्यालय में जमा होगी। इस फार्म में सम्मानित महिलाओं को सामान्य जानकारी जैसे स्वयं का नाम, आधार कार्ड, बूथ संख्या, विधानसभा क्रमांक जैसी जानकारियां भरना होंगी। कमलनाथ जी स्पष्ट कर चुके हैं कि यह फार्म उनका कथन नहीं हैं, बल्कि उनका वचन है। मप्र की जनता जानती है कि पिछले 44 साल से राजनैतिक जीवन में कमलनाथ जी ने जो भी वचन दिया है, उसे पूरा किया है।

फार्म के माध्यम से बनाएंगे सशक्त डेटा बैंक

पत्रकार वार्ता में अरुण यादव ने कहा कि इस योजना के फार्म के माध्यम से डेटाबैंक तैयार किया जाएगा। कांग्रेस इस बार एकजुट होकर चुनावी मैदान में है।

कालानी नगर में आदर्शरत्न सागर का भव्य मंगल प्रवेश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मालव भूषण, जैनाचार्य नवरत्नसागर सूरीश्वर के प्रशिष्य रत्न, जप और तप से जैन समाज में अपनी अलग ही पहचान बनाने वाले तप सम्राट गणिवर्य आदर्श रत्न सागर ने आज श्रमण श्रमणी भगवंतों के साथ नगर में भव्य मंगल प्रवेश करने के बाद कालानी नगर स्थित जैन श्वेताम्बर उपाश्रय में महती धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह शरीर और मन की प्यास बुझाई जाती है, उसी तरह आत्मा की प्यास भी बुझाना जरूरी है। यह प्यास धर्म, संस्कृति, सेवा और संस्कार के मार्ग पर चलकर पूरी होगी। आदर्श फाउंडेशन की मेजबानी में आज सुबह बैंडबाजे, घोड़े-बग्घी, नृत्य करते युवा एवं महिला मंडल सहित गणिवर्य आदर्श रत्न सागर म.सा. का मंगल प्रवेश जुलूस कालानी नगर स्थित श्रीमाल परिवार के निवास से प्रारंभ होकर कालानी नगर स्थित अभयसागर जैन श्वेताम्बर उपाश्रय पहुंचा, जहां धर्मसभा में गणिवर्य आदर्शरत्न सागर म.सा. ने कहा कि आज का युवा जहां फैशन को स्टेटस और व्यसन को प्रोफाइल बनाने में जुटा हुआ है, वहीं इंदौर के युवाओं को श्री नवकार परिवार संस्कारित और श्रद्धावान बनाने का श्रेष्ठतम कार्य कर रहा है। इस मानव शरीर की प्यास अनंत है। हमें शरीर और मन की प्यास बुझाने के साथ आत्मा की प्यास बुझाने की ओर भी ध्यान देना होगा। संचालन प्रवीण गुरूजी ने किया।

पार्षद प्रशिक्षण सत्र 11 मई को स्वच्छता

आईटी के साथ ही विशेषज्ञ देगे पार्षदो को जानकारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव द्वारा आगामी 11 मई को जाल सभागृह में आयोजित पार्षद प्रशिक्षण सत्र के संबंध में पार्षद सचेतक दल के साथ महापौर सभाकक्ष में बैठक ली गई। बैठक में महापौर प्रतिनिधि श्री भरत पारख, भाजपा पार्षद दल सचेतक श्री कमल वाघेला, उपसचेतक श्रीमती निशा देवलिया, कोषाध्यक्ष श्री कमल लडढा, सदस्य श्री मनोज मिश्रा व श्रीमती पंखुडी डोसी एवं अन्य उपस्थित थे। महापौर श्री भार्गव ने कहा कि निगम के समस्त पार्षदगणो को निगम के कार्यप्रणाली, अधिनियम के साथ ही स्वच्छता अभियान, आईटी क्षेत्र में उनकी भूमिका व विकास कार्यो के विस्तार के लिये विशेषज्ञो के माध्यम से दिनांक 11 मई को जाल सभागृह में विशेष सत्र अभियान चलाया जावेगा, जहां पर वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगणो के साथ ही निगम अधिकारी व विशेषज्ञ के माध्यम से पार्षदो को विस्तार से प्रेजेटेशन के माध्यम से इंदौर के स्वच्छता अभियान, वर्तमान में सोशल मिडिया की भूमिका व विकास कार्यो के संबंध में तकनीकी ज्ञान भी दिया जावेगा।

तपोनिष्ठ संत लादूनाथ महाराज का 29वां बरसी महोत्सव मनेगा

इंदौर। माली मोहल्ला, एमओजी लाइंस स्थित सदगुरु लादूनाथ महाराज आश्रम के महाप्रचंड हनुमान मंदिर पर मालवा, निमाड़ एवं मेवाड़ के तपोनिष्ठ संत सदगुरू लादूनाथ महाराज का 29वां बरसी महोत्सव एवं मंदिर के स्थापना दिवस पर दो दिवसीय आयोजन 15 एवं 16 मई को एमओजी लाइन स्थित महाप्रचंड हनुमान मंदिर स्थित गुरू आश्रम पर महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में मनाया जाएगा।

बगैर अनुमति के जुलूस, रैली, धरना प्रदर्शन पर प्रतिबंध

इंदौर। इंदौर जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये किसी भी स्थल पर बगैर अनुमति के जुलूस, रैली, धरना प्रदर्शन आयोजित करने पर प्रतिबंध जारी है। प्रतिबंधात्मक अवधि में अस्त्र-शस्त्र धारण करने तथा उनके प्रदर्शन पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इस संबंध में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी अजय देव शर्मा द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत जारी आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा-188 एवं अन्य दण्डात्मक प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश 25 जून 2023 तक प्रभावशील रहेगा।

मंत्री सिलावट ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि किसानों के ब्याज सरकार द्वारा भरे जाने का निर्णय एक ऐसा कदम है जिससे किसानों को फायदा होगा। साथ ही इंदौर संभाग में गेहूं की खरीदी 20 मई तक बढ़ाने की अनुमति भी दी गई है। इन दोनों कार्यों के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का किसानों की ओर से मंत्री श्री सिलावट ने आभार जताया है।

उपनगरीय बस सेवा, हाल बेहाल, हलाकान अपडाउनर्स

15 हजार यात्री, छह - सात हजार महिला वर्ग रोजाना सफर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इन्दौर। इंदौर, महू, पीथमपुर व मानपुर की और दौड़ने वाली उपनगरीय बस सेवा से इन मार्गो के साथ ही आस - पास की यात्रा करने वाले लोगों को यातायात सबंधी सुविधा तो है, लेकिन अधिकतम 20 - 40 किलोमीटर का यह सफर बेहद परेशानी भरा।

ढाई दशक से भी अधिक समय पूर्व खासकर इंदौर - महू रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के हक में लड़ने वाले उस दौर के बेहद प्रभावी उपभोक्ता मंच के प्रयासों से इंदौर - महू के साथ ही औधोगिक नगरी पीथमपुर को उपनगरीय बस का दर्जा मिला। दरअसल उक्त मार्गो पर अधिकांश नौकरी पेशा, श्रमिक, मजदूर व विधार्थी वर्ग डेली अपडाउनर्स के रूप में नियमित यात्रा करता है, उन्ही की सुविधा को देखते हुए व्यवस्थित व उचित किराए पर साधन उपलब्ध हो इसके लिए उपनगरीय बस सेवा का दर्जा जिसके तहत परिवहन विभाग द्वारा टेक्स राशि में छूट दी जा रही है, लेकिन इस छूट का लाभ यात्रियों को कम और बस संचालकों को ही मिलने की शिकायतें समय समय पर की जाती रही है, इसके अलावा ओवर लोडिंग, अंध गति, प्रेशर हार्न, महिलाओं के साथ बदमिजाजी के साथ ही नियम कायदों को ठेंगा दिखाए जाने को लेकर लंबे समय से शिकवा शिकायतों का दौर यहां तक अनेक बार पुलिस प्रकरण भी दर्ज हो चुके है, लेकिन उपनगरीय सेवा के कथित धमकी बसों की हड़ताल के आगे शायद विभिन्न स्तर पर जिम्मेदार यात्रियों की तरह बेबस नजर आते है।

सोमवार की कार्रवाई के बाद

राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ व विभिन्न संगठनों के विरोध प्रदर्शन के बाद ट्राफिक अमला पुलिस के सहयोग से कार्रवाई के लिए फील्ड में चाक चैबंद नजर आया, लेकिन शुरूआती कार्रवाई के बाद बस आपरेटरों की चालानी कार्रवाई का यह कहते हुए विरोध कि जबरिया चालान बनाए जा रहे है, के बाद विवाद बढ़ा और अनेक बस आपरेटर एक तरह से दबंगाई पर उतर आए यह तेवर देख जिम्मेदारों ने भी अपने दम पीछे खिंच लिए और एक बार फिर उपनगरीय बसों पर प्रभावी कार्रवाई टल गई।

15 हजार से भी अधिक यात्री

जानकारी के अनुसार 80 से भी अधिक बसों से करीब 15 हजार यात्री इंदौर महू, पीथमपुर के साथ ही मानपुर व आस - पास के अनेक अंचल की यात्रा करते है, जिसमें से अधिकांश डेली अपडाउनर्स जिसमें नौकरी पेशा के साथ ही श्रमिक मजदूर व विधार्थी वर्ग यात्रा करता है। बताया जाता है करीब छह से सात हजार महिलाएं जिसमें से अधिकांश छात्राएं व कामकाजी महिलाएं यात्रा करती है, कार्रवाई के दौरान बस संचालकों के दबाव प्रभाव के बाद रूकी कार्रवाई से महिला वर्ग में खासी नाराजगी है, मंगलवार को अनेक महिलाओं ने चर्चा के दौरान बताया कि इंदौर महू के बीच यात्रा करना बेहद परेशानी भरा है, मनमर्जी का किराया, उपर से टिकिट भी नहीं दिया जाता, चालक - परिचालक बिना ड्रेस कोड का पालन किए वाहनों पर पहचान से दूर रहते है, साथ ही कथित तौर पर बदमिजाजी बेहद दुखद है। इन बसों पर जिम्मेदारों को सतत कार्रवाई करना चाहिए। साथ ही समय समय पर महिला पुलिसकर्मियों को सरप्राइज चेकिंग के तौर पर कार्रवाई किए जाना चाहिए।

अज्ञान और मोह की कुंभकर्णी निंद्रा से गुरू ही मुक्त करा सकते हैं -स्वामी केदारनाथ

● मां आनंदमयी पीठ पर धूमधाम से मना भगवान पूर्ण ब्रह्मनारायण का प्राकट्य दिवस महोत्सव का समापन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। गुरू के प्रति कृतज्ञता व्यक्त नहीं करना भी एक दोष है। अज्ञान और मोह की कुंभकर्णी निंद्रा से गुरू ही मुक्त करा सकते हैं। जीवन की सार्थकता और धन्यता यही है कि हम सबकी भगवत दृष्टि बनी रही। सदगुरू की कृपा के बिना संसार के विषयों का त्याग नहीं हो सकता। भगवत दृष्टि सज्जनों की कृपा के बगैर नहीं मिल सकती। संसार में मां से पृथक कुछ भी नहीं है। जो कुछ है वह मां ही हैं। जब तक हमारी चेतना के तार परमात्मा से नहीं जुड़ेंगे, हमारे बंधन भी नहीं खुलेंगे। मां आनंदमयी अपने नाम के अनुरूप आनंद का ही पर्याय है।

ए.बी. रोड, मेडिकल कालेज के पास स्थित श्रीश्री माता आनंदमयी पीठ पर चल रहे पांच दिवसीय मातृ जन्म महोत्सव के समापन अवसर पर पीठ के अध्यक्ष स्वामी केदारनाथ महाराज ने उक्त प्रेरक विचार व्यक्त किए और मां आनंदमयी से जुड़े प्रेरक एवं भावपूर्ण संस्मरण भी सुनाए। समापन दिवस पर आज तड़के 3 बजे से ही भक्तों का आगमन शुरू हो गया था। मां आनंदमयी के 128वें जन्मोत्सव एवं भगवान श्री पूर्ण ब्रह्मनारायण प्राकट्य दिवस के उपलक्ष्य में मां के मंदिर में अभिषेक, पूजा, आरती, विष्णु सहस्त्रनाम एवं ललिता सहस्त्र नामार्चन से सैकड़ों भक्तों ने श्री यंत्र का कुमकुम से पूजन-अभिषेक किया। आश्रम परिसर के अमरनाथ महादेव मंदिर पर आचार्य पं. दीपक शास्त्री के निर्देशन में हवन एवं कन्या पूजन का आयोजन भी सैकड़ों भक्तों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। इस मौके पर सैकड़ों भक्तों ने सुश्रृंगारित मां आनंदमयी के मंदिर की परिक्रमा भी की।

विहिप ने द केरला मूवी के लिए जन जागरण का अभियान चलाया

इंदौर । विश्व हिंदू परिषद इंदौर विभाग द्वारा शहर के चार प्रमुख चौराहों पर फिल्म द केरला स्टोरी के समर्थन में जन जागरण अभियान चलाया गया । रामेश्वर जिला द्वारा भंवरकुआं चौराहा, काफी भीड़ भोलाराम उस्ताद मर्ग सहित आसपास के गार्डन में पहुँच कर पर हाथों में तख्ती लेकर लोगों से आग्रह किया गया कि लव जिहाद व आतंकवाद के शिकार हुई हमारी बहनों के साथ किस तरीके से जिहादियों ने व्यवहार किया है ,अब जागृत हो इसका प्रतिकार करें और फिल्म को अवश्य देखें यह फिल्म नहीं सत्य घटना पर आधारित स्टोरी है इसे अवश्य देखें। जन जागरण अभियान में पापू कोचले, राम दांगी,विजय कलखोर, देवा शर्मा, पिंटू चंदेल पापू चंदेल, दर्शन डेबले, पापू शर्मा पिंटू जोशी तेजसिंह , धर्मेंद्र गुरु , मोहित शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे

फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

मध्य प्रदेश साइबर पुलिस ने कुंवारे युवकों को शादी का झांसा देकर लाखों

ऐसे चलता है ठगी का धंधा

कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन हिज्ब-उत-तहरीर के सदस्यों की धरपकड़

एनआईए-एटीएस की भोपाल और छिंदवाड़ा में दबिश; 11 को हिरासत में लिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए), मध्यप्रदेश एटीएस और तेलंगाना एटीएस की टीम ने मंगलवार सुबह भोपाल और छिंदवाड़ा में दबिश दी। दोनों जगह से 11 संदिग्ध आतंकियों को हिरासत में लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, इनके आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर से जुड़े होने के सबूत एनआईए और एटीएस को मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक, तहरीर के कुल 16 सदस्यों को हिरासत में लिया गया। इनमें भोपाल और छिंदवाड़ा के 11 जबकि तेलंगाना के 5 संदिग्ध शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो हिरासत में लिए गए लोगों में भोपाल गैस त्रासदी एक्टिविस्ट का एक बेटा भी शामिल है। छिंदवाड़ा एसपी विनायक वर्मा ने बताया कि एटीएस की टीम ने शहर के कोतवाली इलाके में कार्रवाई की है।

10 संदिग्ध आतंकियों की 19 मई तक रिमांड मंजूर

भोपाल और छिंदवाड़ा से गिरफ्तार 11 संदिग्ध आतंकियों को मध्यप्रदेश एटीएस ने कोर्ट में पेश किया। यहां इन सभी की रिमांड मांगी। हालांकि, कोर्ट ने इनमें से 10 की ही रिमांड मंजूर करते हुए 19 मई तक एटीएस को पूछताछ के लिए सौंपा है।

संदिग्ध सामग्री भी मिलने की जानकारी

हिरासत में लिए गए लोगों के पास से संदिग्ध दस्तावेज और देश विरोधी सामग्री भी मिली है। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। भोपाल के ऐशबाग थाना प्रभारी चतुर्भुज राठौर ने बताया कि हमें इस मामले में कोई जानकारी नहीं है। अभी कुछ देर पहले तीन लोगों के परिवार थाने आए और बताया कि कुछ लोग खुद को पुलिसवाला बताकर घर में घुसे और लड़कों को पकड़ ले गए। भोपाल से पकड़े गए युवकों में से तारिक, शाहरुख और वसीम के परिजन थाने पहुंचे थे। जवाहर कॉलोनी निवासी तारिक के भाई इरफान ने बताया कि 12-15 लोग सादे कपड़ों में मंगलवार सुबह 7 बजे घर पहुंचे और भाई को ले गए। उन्होंने पूरे कमरे की तलाशी, लेकिन कुछ नहीं मिला। उनके साथ आए 3-4 लोग मिलिट्री यूनिफॉर्म पहने थे।

कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन हिज्ब-उत-तहरीर सबकी नजरों से बचते हुए अपनी कट्टरपंथी विचारधारा को तेजी से फैला रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये संगठन आईएसआईएस से भी ज्यादा खतरनाक है। इसने लगभग 50 देशों में अपना प्रसार कर लिया है। यह संगठन 1952 में यरूशलम में बना। लंदन में इसका मुख्यालय है। इस संगठन की मध्य एशिया, यूरोप, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में शाखाएं हैं। विशेष रूप से इंडोनेशिया में। दक्षिण एशिया में पाकिस्तान और बांग्लादेश में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

पुलिस और बदमाश में मुठभेड़, आरोपी को दो गोली लगीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। उज्जैन में हत्या के आरोपी बाबू भारद्वाज को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसके दोनों पैरों में गोलियां लगी हैं। बाबू पर बीती 4 मई को सरेआम गोली मारकर राजू द्रोणावत की हत्या करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार दोपहर बाबू के शिप्रा बिहार कॉलोनी में होने की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस उसे पकडऩे पहुंची तो वह भागने लगा। इसके बाद पुलिस को उस पर गोली चलानी पड़ी। फिलहाल, बाबू को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि पुलिस से बचने के लिए आरोपी बाबू भारद्वाज ने भी पुलिस पर फायर किए थे। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पर फायर किए, जो उसके पैरों में लगी। एक आरोपी अभी भी फरार चल रहा है, जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

उज्जैन में 4 मई को शहर के माधव नगर थाना क्षेत्र में भीड़भाड़ वाले इलाके फ्रीगंज में बाइक सवार दो लोगों ने मुंगी चौराहे पर खड़े राजू द्रोणावत की गोली मारकर हत्या कर दी थी। सनसनी खेज वारदात में पुलिस के सामने बड़ी चुनौती थी। गोली मारने वाला शख्स अपने साथी के साथ बाइक पर सवार होकर फरार हो गया था। दोनों हमलावर बाइक से आए थे। बाइक चलाने वाले आरोपी धर्मेंद्र सिसोदिया ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था, जिसे 7 मई को इंजीनिरिंग कॉलेज के पास से गिरफ्तार किया था। मृतक ने मृत्यु पूर्व बयान में बाबू भारद्वाज का नाम बताया था। एडिशनल एसपी आकाश भूरिया ने बताया कि पूरे मामले में हत्या की साजिश रचने वाले मुख्य आरोपी बाबू भारद्वाज के बारे में पुलिस को सूचना मिली की वो शिप्रा विहार होते हुए विक्रम नगर रेलवे स्टेशन से अन्य शहर में भागने की फिराक में है।

कूनो में एक और चीते की मौत, अब 17 चीते ही बचे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

श्योपुर। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में फीमेल चीते दक्षा की मौत हो गई है। दक्षा को इसी साल दक्षिण अफ्रीका से कूनो लाया गया था। मुख्य वन्य संरक्षक जेएस चौहान ने इसकी पुष्टि की है। बताया गया है कि मेल चीते को दक्षा के बाड़े में मेटिंग के लिए भेजा गया था। मेटिंग के दौरान ही दोनों में हिंसक इंटरैक्शन हो गया। मेल चीते ने पंजा मारकर दक्षा को घायल कर दिया था।

कूनो नेशनल पार्क की मॉनिटरिंग टीम को दक्षा घायल हालत में मंगलवार सुबह मिली थी। उसे इलाज के लिए ले जाया गया। दोपहर करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई। पिछले डेढ़ महीने में कूनो नेशनल पार्क में 3 चीतों की मौत हो चुकी है। यहां अब 17 चीते ही बचे हैं।

कुछ समय पहले ही मेल चीतों को किया था बाड़े में शिफ्ट

दक्षा को एक नंबर बाड़े में रखा गया था। पिछले दिनों कूनो में हुई चीता टास्क फोर्स के अधिकारियों की मीटिंग में 7 नंबर बाड़े में मौजूद दक्षिण अफ्रीका से लाए गए मेल चीते कोयलिशन, अग्नि और वायु को फीमेल चीता से मिलाने का निर्णय लिया गया था। 7 और 1 नंबर बाड़े के बीच की जाली को हटाकर उन्हें एक साथ कर दिया गया था।

सिर पर बैट-हथौड़ा मारा पेट्रोल डालकर शव जलाया

●कोर्ट की टिप्पणी- आरोपी को मृत्युदंड नहीं दिया गया, तो समाज में गलत संदेश जाएगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। आरोपी ने खुद को मरा बताने और जेल जाने से बचने के लिए बेकसूर की जान ली है। उसने खौफनाक घटना को अंजाम दिया है। वह पहले भी गंभीर अपराधों में लिप्त रहा है। इसमें मृत्युदंड से कम नहीं दिया जा सकता। उद्देश्य यह भी है कि कठोर दंड नहीं दिया गया, तो समाज में गलत संदेश जाएगा। समाज और पीड़ित को सही न्याय नहीं मिलेगा। यह लोगों को अपराध करने के लिए उत्प्रेरित करेगा।

यह टिप्पणी भोपाल जिला न्यायालय के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र टाडा की कोर्ट ने की है। कोर्ट ने बीएससी स्टूडेंट अमन दांगी की हत्या के मामले में आरोपी रजत सैनी को फांसी की सजाई सुनाई है। इसके अलावा, तीन अन्य मामलों में उम्रकैद और 50 हजार रुपए जुमार्ना भी लगाया है। आरोपी ने खुद को मरा साबित करने की साजिश रची। कारण- उसे 5 लाख रुपए उधार नहीं चुकाना पड़े और जेल जाने से भी बच जाए। 10 महीने पहले उसने बेकसूर अमन दांगी के सिर पर बैट और हथौड़ा मारा। शव को पेट्रोल डालकर जला दिया। कोर्ट में पैरवी विशेष लोक अभियोजक वर्षा कटारे ने की।

बैंक डकैती की बना रहे थे योजना, 5 गिरफ्तार

देशी पिस्टल के साथ जिंदा कारतूस, चाकू-छूरे और सब्बल जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा। खंडवा में बैंक डकैती की योजना बना रहे 5 बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया। सभी आरोपी खानशाहवली, थाना मोघट रोड क्षेत्र के है। इन पर पूर्व में हत्या के प्रयास सहित चोरी और लूट के केस दर्ज है। कोतवाली पुलिस ने बमनगांव रोड स्थित श्मसान घाट पुलिया के पास घेराबंदी करके पकड़ा। पुलिस टीम ने आड़ में छिपकर बातें सुनी तो पता चला कि वो किसी बैंक में डकैती करने की बात कर रहे थे। गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपियों की पहचान हरसान (22) पिता अज्जू खान निवासी अंकुश नगर, शेख साजिद (27) पिता शेख खुर्शीद निवासी जुबेदा हाल के पास, सोहेल (27) पिता खालिक पटेल निवासी मोघट थाने के पीछे, इमरान (23) पिता जमील पटेल निवासी मोघट थाने के पीछे, इमरान (32) पिता शेख शकिल निवासी एलआईजी कॉलोनी, चम्पानगर के रूप में हुई। जिनकी तलाश लेने पर आरोपियों के कब्जे से एक देखी पिस्टल, एक जिन्दा कारतूस, दो खटकेदार चाकू, एक छुरा एवं एक सब्बल जप्त की गई।

एकतरफा प्यार में महिला को गोली मारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

टीकमगढ़। टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के सैपुरा गांव में एकतरफा प्यार में एक युवक ने महिला को सरेआम गोली मार दी। महिला रजनी पत्नी अखिलेश पाल दोपहर में कुएं से पानी भरकर घर लौट रही थी। आरोपी नीरज साहू ने उसका रास्ता रोककर कट्टे से गोली मार दी। गोली महिला की पीठ में लगी है। गंभीर हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलेरा में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया है। वारदात के बाद से आरोपी फरार है। रजनी पाल के पति अखिलेश ने बताया कि पिछले करीब 1 माह से आरोपी नीरज साहू उसकी पत्नी पर दोस्ती करने के लिए दबाव बना रहा था। पत्नी के मना करने पर नीरज ने जान से मारने की धमकी दी थी।

देवास में सरपंच पद से इस्तीफा देकर आदिवासी युवक बना शिक्षक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

पुंजापुरा/देवास। आमतौर पर शासकीय सेवक नौकरी छोड़कर चुनाव के मैदान में उतरते हैं परन्तु देवास जिले के आदिवासी अंचल के युवा सरपंच बादल मुजाल्दे ने सरकारी शिक्षक के रूप में चयन होने पर सरपंची से त्यागपत्र दे डाला। आदिवासी युवक कुछ महीने पहले हुए पंचायत चुनाव में जीतकर गांव का सरपंच बना था। इसके पूर्व पिछले 8 वर्ष युवक की पत्नी ने गांव की सरपंची संभाली थी। पत्नी के ही कहने पर युवक ने सरकारी शिक्षक परीक्षा में चयन होने पर सरपंची से त्यागपत्र दे दिया।

सरपंच बादल मुजाल्दे ने दिया त्यागपत्र

युवक को फिलहाल बड़वानी जिले में पदस्थापना मिली है। मामला देवास जिला मुख्यालय से करीब 100 किमी से भी ज्यादा दूर जिले की आखिरी पंचायत कनाड़ का है। इस पंचायत में कनाड़ के अलावा तिवडिय़ा और सेमलीखेड़ा गांव भी है। इसी पंचायत के तिवडिय़ा निवासी 31 वर्षीय आदिवासी सरपंच बादल मुजाल्दे ने पिछले महीने त्यागपत्र दे दिया। त्यागपत्र देने के पीछे बड़ी रोचक वजह सामने आई है। दरअसल मुजाल्दे का चयन सरकारी प्राथमिक शिक्षक के रूप में हो गया। चयन होने के बाद उन्होंने सरपंची से ज्यादा शिक्षक बनने को तरजीह दी और तुरंत त्यागपत्र देकर शिक्षा विभाग में जाइन कर लिया। कुछ ही दिन सरपंच रहने के बाद बागरसिंह शिक्षक बन चुके हैं।

कांग्रेस विधायक भूरिया बोले- राम राम करके पराया माल अपना कर लेते हैं बजरंग दल वाले

रतलाम। बजरंग दल को लेकर कर्नाटक से शुरू हुई राजनीति अब मध्यप्रदेश पहुंच चुकी है। कांग्रेस विधायक कांतिलाल भूरिया ने बजरंग दल पर निशाना साधते हुए कहा कि बजरंग दल वाले राम-राम करके पराया माल अपना कर लेते हैं। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो इन पर कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था साफ-सुथरे मन से काम करे वो ठीक होता है, लेकिन यह बजरंगदली हनुमान जी को बदनाम करते हैं। उनके नाम से संगठन बनाया फिर संगठन के नाम से जेब भरने का काम करते हैं। हनुमान जी के नाम से यह कमाई कर रहे हैं, यह गद्दारी है।

संपादकीय

हो न जाए असुविधा

वायु गुणवत्ता में सुधार बड़ी चुनौती है और इससे पार पाने के लिए कुछ कठोर कदम उठाने को बुरा नहीं कहा जा सकता। मगर पहले वैकल्पिक व्यवस्था तैयार करना बहुत जरूरी है। आजकल वाहन हर किसी की जरूरत बन चुके हैं। दुपहिया वाहन सामान्य आयवर्ग के लोगों के लिए जरूरी साधन हैं। ऐसे में उन्हें एकदम से खत्म करना बड़ी असुविधा पैदा कर सकता है। भारतीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में डीजल से चलने वाले वाहनों पर रोक लगा देनी चाहिए। अगले बारह सालों में आंतरिक दहन वाले इंजन से चलने वाले दुपहिया और तिपहिया वाहनों को भी बंद कर देना चाहिए। अगले दस सालों में शहरी क्षेत्रों में एक भी डीजल चालित वाहन नहीं होना चाहिए। हालांकि मंत्रालय ने वाहनों के संचालन से संबंधित अपनी यह रिपोर्ट फरवरी में ही सौंप दी थी। अब इन सुझावों पर सरकार किस तरह अमल करती है, देखने की बात है। यह छिपी बात नहीं है कि डीजल से चलने वाले भारी वाहनों की वजह से शहरों की आबोहवा सबसे अधिक खराब होती है। उसके बाद दुपहिया वाहन वायु प्रदूषण फैलाने का बड़ा जरिया साबित होते हैं। अगर इन पर नियंत्रण कर लिया गया, तो निस्संदेह काफी हद तक कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई जा सकती है। शहरों में डीजल से चलने वाले निजी वाहनों पर रोक लगाने का सुझाव पुराना है। मगर हकीकत यह है कि आजकल जिस तरह बड़े वाहनों का आकर्षण बढ़ रहा है, उसमें डीजल से चलने वाली गाड़ियों का निर्माण भारी संख्या में होने लगा है। फिर सार्वजनिक वाहनों के रूप में बसों और माल ढुलाई के लिए उपयोग होने वाले भारी ट्रकों की वजह से भी वायु प्रदूषण की दर पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। हालांकि महानगरों में मालवाहक वाहनों का प्रवेश निश्चित समय के लिए ही खुला रखा जाता है, फिर बाहर से आने वाले वाहनों को शहर में प्रवेश करने के बजाय बाहरी मार्गों से निकाल दिया जाता है, फिर भी वायु गुणवत्ता में सुधार दर्ज नहीं हो पाता। भारत के कुछ शहर दुनिया के कुछ सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार हैं। ऐसे में विद्युत चालित वाहनों के चलन पर जोर दिया जा रहा है। पेट्रोल और डीजल में एथेनाल आदि मिला कर कार्बन उत्सर्जन पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। मगर इन उपायों का भी कोई उल्लेखनीय प्रभाव नजर नहीं आता।

ज्ञान-विज्ञान

पलक झपकाने वाली मछली खोल सकती है राज़, हमारे पूर्वजों ने जमीन पर रहना कैसे शुरू किया

हाल ही में किए एक शोध से पता चलता है कि एक बेहद अजीब, पलक झपकाने वाली मछली में यह राज छिपा हो सकता है कि प्राचीन जानवरों ने जमीन पर रहने की क्षमता कैसे विकसित की. मडस्किपर्स (Mudskippers) मछली की एक उप-प्रजाति है जो जमीन और पानी दोनों में रहती है. यह एकमात्र ऐसी मछली है जो अपनी पलकें झपका सकती है. यह क्षमता उन्हें हमारे पूर्वजों से मिली है. इस अवधारणा को कन्वर्जेंट इवॉल्यूशन (Convergent evolution) कहा जाता है.

वैज्ञानिकों का मानना है कि करीब 37.5 करोड़ साल पहले जब ज़मीन पर रहने वाले जानवर महासागरों से निकले, तब उनमें पलक झपकाने की क्षमता विकासित हुई. इसलिए, कन्वर्जेंट इवॉल्यूशन के इस उदाहरण की स्टडी करने पर यह पता चल सकता है कि हमारे आदिम पूर्वज पानी से निकलकर किनारों पर कैसे पहुंचे.

शोध को रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (Proceedings of the National Academy of Sciences) में प्रताशित किया गया है. पेन स्टेट में बायोलॉजी के सहायक प्रोफेसर और शोध के सह-लेखक थॉमस स्टीवर्ट (Thomas Stewart) का कहना है कि जानवर कई वजहों से पलक झपकाते हैं. इससे हमें आंखों को नम और साफ रखने में मदद मिलती है. आंखों को चोट से बचाने में मदद मिलती है और हम इशारे से बात करने के लिए भी पलक झपकाते हैं.

उन्होंने कहा कि इस बात का पता करना कि यह व्यवहार पहली बार कैसे विकसित हुआ, ये चुनौतीपूर्ण रहा है. क्योंकि वह संरचनात्मक बदलाव (Anatomical changes) जिनकी वजह से पलकें झपकती हैं, ज्यादातर सॉफ्ट टिश्यू में होते हैं, जो जीवाश्म में ठीक से संरक्षित नहीं हो पाते. मडस्किपर ने अपने पलक झपकाने वाले व्यवहार को स्वतंत्र रूप से विकसित किया है. इससे हम यह समझ पाएंगे कि एक जीवित मछली जो लगातार पानी से निकलकर ज़मीन पर समय बिताती है, उसमें पलक झपकाना कैसे और क्यों विकसित हुआ होगा.

● वैज्ञानिकों ने किया शोध

मडस्किपर की आंखे मेंढ़क की तरह होती हैं. इसपर शोध करने के लिए शोधकर्ताओं ने मडस्किपर के टैंक में हाई-स्पीड कैमरे लगाए, ताकि यह पता चल सके कि यह मछली पानी और ज़मीन के बीच कैसे आती-जाती है. जंगल में, मडस्किपर आमतौर पर टाइड पूल्स के आसपास रहती हैं और जब यह पानी में नहीं होतीं, तब अपने पंखों से जमीन पर चलती हैं.

शोधकर्ताओं ने उन जगहों को ट्रैक किया जहां मछली पलकें झपकाती थी. उन्होंने पाया कि पानी में डूबे रहने पर मछली बहुत कम पलक झपकाती थीं, लेकिन जब वह हवा में होती, तो अक्सर पलकें झपकाती थी. जब शोधकर्ताओं ने टैंक का एयरफ्लो और वाष्पीकरण की दर बढ़ाई, तो मडस्किपर ज़्यादा पलकें झपकने लगी. मछलियों ने आंखों के सामने से मलबा हटाने के लिए भी अपनी पलकें झपकाई थीं.

मछली ने पलक झपकना कैसे शुरू किया

पेन्सिलवेनिया में सेटन हिल यूनिवर्सिटी में जीव विज्ञान के सहायक प्रोफेसर और शोध के मुख्य लेखक ब्रेट ऐलो (Brett Aiello) का कहना है कि इंसानों की तरह, मडस्किपर्स आंखें सूख जाने पर पलकें झपकाती हैं. खास बात तो यह है कि इन मछलियों में टियर ग्लैंड या डक्ट नहीं हैं, फिरभी वे अपनी आंखों को नम करने के लिए अपने पलकें झपका सकती हैं. मछली ने पलक झपकने की क्षमता कैसे विकसित की, इसका पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने मडस्किपर की शारीरिक रचना की तुलना उन करीबी रिश्तेदारों से की, जो पलक नहीं झपकाते. उन्होंने पाया कि जीवों की आंखें डर्मल कप नाम की खिंचाव वाली झिल्ली में ढके एक सॉकेट के ऊपर विकसित हुई थीं और पलक झपकने के लिए उन्हें इस कप में नीचे की ओर खींचा जाता है, जैसे इंसान पलक झपकते हैं. शोधकर्ताओं का मानना है कि प्राचीन मछली को पलक झपकने के लिए कॉम्प्लेक्स एडैप्टेशन की जरूरत नहीं थी. इसके बजाय, मछली ने शायद अपने अल्पविकसित जीव विज्ञान (Rudimentary biology) में बदलाव के चलते यह क्षमता हासिल की होगी.

Highlights

1. Voting begins for Karnataka Assembly elections
2. B'luru pubs, bars can serve food on poll day as liquor ban order revised
3. Pic of Band-Aid for different skin tones sparks debate online
4. NIA team launches probe into threats calls made to Nitin Gadkari
5. Army officers of ranks Brigadier & above to have common uniforms from Aug 1: Reports
6. Billionaire Narayana Murthy stands in line to cast vote in K'taka polls, pic surfaces

Indians' demand for AI-related roles rises, over 150% surge in job posts: Study

NEW DEIHI, (Agency). The advent of generative artificial intelligence (AI) has opened pathways to a number of employment opportunities in the market and, if the study by job search portal Indeed is considered, over 158% surge on the platform in job postings related to this field has been recorded in India in last five years. The study found that there has been over 89% increase in searches for jobs in generative AI and large language models in March 2023 as compared with the same month in 2018.

The data comes at a time when speculations are rife regarding the probability of jobs getting automated with the sudden arrival of AI. Goldman Sachs research suggests 26% of work tasks in different fields have the potential to get automated. Similarly, the Harvard Business Review said the generative AI has advanced capabilities in the creative and marketing industry. However, the World Economic Forum's (WEF) Future of Jobs report said AI will give rise to prominent roles such as machine learning specialists, scientists, data analysts and digital transformational specialists.

"India has emerged as a significant player in the global AI landscape, with a growing pool of talented AI professionals. While it's challenging to determine if India has the largest talent pool for AI, there is no denying that the country has made remarkable progress in this field. One of the significant drivers of this growth is the strong emphasis on STEM education in India, which has helped create a steady pipeline of skilled talent in the tech industry. Furthermore, India has a vast population, which provides a massive talent pool to draw from," Sashi Kumar, head of sales, Indeed India, said.

Indeed's data reflects the surge in demand for generative AI-related roles in India and how skilled professionals are drawn towards working in this field. However with the emergence of technology and AI, certain challenges including skilled talent, upskilling of existing workforce also need to be addressed.

The study also found similar trend in job searches in countries including Singapore with 94.7% surge in AI job postings in last five years, 30% rise in job postings for software developer in the United States.

"As the demand for AI talent continues to rise, there is an opportunity for India to leverage its vast talent pool and create a robust ecosystem for AI innovation and development," Kumar added.

Go First crisis: DGCA receives request to delist 45 planes of the airways

NEW DEIHI, (Agency). As Go First awaits the NCLT verdict on its voluntary insolvency resolution plea, lessors have sought deregistration of nine more aircraft of the crisis-hit airline.

In one week, various lessors have approached aviation regulator DGCA for deregistration and repossession of a total of 45 planes of Go First.

The National Company Law Tribunal (NCLT) is set to pronounce the order on the carrier's petition on Wednesday.

Go First stopped flying from May 3 and aviation regulator DGCA on Monday directed the airline to stop sale of tickets till further orders.

Lessors have sought deregistration of nine more planes of the airline, according to an update from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA).

The airline had 55 aircraft in its fleet as on May 2 when it filed the petition and also announced suspension of operations.

On Tuesday, the Wadia group-owned carrier said it will respond to the DGCA's show cause notice in due course and is taking all possible measures to reduce inconvenience to the passengers.

Before the NCLT, lessors of the carrier have opposed Go First's plea for an interim moratorium contending that it would have "harmful and serious consequences".

New Delhi

मोचा तूफान को लेकर अलर्ट, कई जगहों पर जोरदार बारिश का अनुमान; जानें कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली, (एजेंसी) मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र विकसित हो गया है जो कि जल्द ही डिप्रेशन में बदलने वाला है। आने वाले 24 घंटे में यह तूफान का रूप ले सकता है। वहीं पूर्वोत्तर राजस्थान के ऊपर चक्रवाती हवाओं का स्तर बना हुआ है।

मौसम विभाग ने कहा है कि बुधवार को बंगाल की खाड़ी की पूर्व मध्य और अंडमान सागर के पास तूफान बनेगा। इसका असर तटीय इलकों में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग का कहना है कि तूफान के बांग्लादेश-म्यांमार तट की ओर बढ़ने की संभावना ज्यादा है। अंडमान नीकोबार द्वीप समूह में कई जगहों पर मध्मय से भारी बारिश की संभावना है। अगले दो से तीन दिन तक ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। समंदर में ऊंची लहरें उठने की भी संभावना जताई गई है ऐसे में मछुआरों को समंदर में ना उतरने को कहा गया है। स्काइमेट वेदर के मुताबिक तटीयक कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले 24 घंटे में बारिश हो सकती है। इसके अलावा पश्चिमी हिमालय के कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी की संभाना है। इसका असर उत्तर भारत के बड़े हिस्से में रहेगा और अभी हीटवेव की संभावना नहीं बनेगी। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ जगहों पर हल्की बारिश संभव है।

Uttarpradesh

यूपी चुनाव : ड्यूटी से बचने के लिए शिक्षिका ने लगा दिया फर्जी

Covid-19 पॉजिटिव सर्टिफिकेट, ऐसे खुली पोल

पीलीभीत, (एजेंसी) यूपी के पीलीभीत में पूरनपुर इलाके में प्राइमरी स्कूल की एक टीचर को आगामी नगरपालिका चुनावों में मतदान ड्यूटी से छूट पाने के लिए एक नकली COVID-19 पॉजिटिव मेडिकल सर्टिफिकेट जमा करते पकड़ा गया है. इसकी जानकारी एक सीनियर ऑफिसर ने दी है. उन्होंने कहा कि पूरनपुर प्रखंड के पचपेड़ा गांव प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ रितु तोमर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं.

अधिकारी ने बताया कि तोमर को 11 मई को होने वाले नगर निकाय चुनाव में गुलाबी बूथ पर मतदान दल संख्या 3 में मतदान अधिकारी II की ड्यूटी सौंपी गई थी. सीडीओ पीलीभीत, धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, 'शिक्षिका ने एक दस्तावेज के साथ चुनाव ड्यूटी से छूट की मांग करते हुए आवेदन दिया था, जिसमें उन्हें कोरोना संक्रमित प्रमाणित किया गया था.'

जब अधिकारियों ने प्रमाणपत्र की जांच की, तो उन्होंने पाया कि उसने मतदान ड्यूटी से छूट पाने के लिए किसी अन्य व्यक्ति के सर्टिफिकेट को संपादित किया था. शिक्षकि ने किसी और के सर्टिफिकेट में बदलाव कर अपना नाम दर्ज किया हुआ था.

सीडीओ ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) अमित कुमार सिंह को इस संबंध में शिक्षिका के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है.

New Delhi

एक ने खाया जहर तो दूसरा होटल से कूदा

सेम सेक्स मैरिज पर SC में सुनवाई के बीच दो लड़कों ने की खुदकुशी

नई दिल्ली, (एजेंसी) न्यू मॉडर्न शाहदरा में साथ रहने वाले दो दोस्तों ने परिजनों के विरोध के चलते रविवार को अलग-अलग जगहों पर आत्महत्या कर ली। न्यू मॉडर्न शाहदरा में संदीप ने जहर खाकर, जबकि पवन ने सूरजल विहार स्थित लीला होटल के पांचवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। दोनों के शवों को कब्जे में लेकर मानसरोवर थाना और आनंद विहार थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि संदीप और पवन पिछले छह माह से एक साथ रहते थे। संदीप के परिजन उनका विरोध कर रहे थे, जिसके चलते दोनों घर से चले गए थे। ऐसे में अब पुलिस मृतकों के मोबाइल से उनके संबंधों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक संदीप अपने परिवार के साथ न्यू मार्डन शाहदरा में रहता था। परिवार में मां कुसुम, पत्नी सरिता, सात वर्षीय बेटी, एक माह का बेटा है। उनके भाई नीरज कुमार अपने परिवार के साथ अशोक नगर में रहते हैं। नीरज ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 20 वर्षों से निजामुद्दीन में एक पार्लर में नौकरी कर रहा है, वहीं पर छोटा भाई भी दस वर्ष से नौकरी कर रहा था।

Rajasthan

पोते की चाह में 10 महीने के बच्ची की हत्या करने वाली दादी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़, (एजेंसी) बच्ची की दादी ने ही पोते (लड़के) की चाह में अपनी पोती की हत्या कर शव को पानी की टंकी में डाल दिया था। साक्ष्य मिटाने में मदद करने में महिला का भतीजा भी आरोपी निकला। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि 29 अक्टूबर 2022 को 10 महीने की बच्ची 'मिष्टी' को मारकर लाश पानी की टंकी में मिलने से थाना निकुम्भ पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या में प्रकरण दर्जकर थानाधिकारी निकुम्भ यशवंत सिंह उप निरीक्षक ने तफ्तीश शुरू की। पुलिस ने घटना स्थल के आस पास गोपनीय तरीके से घटना के सम्बन्ध में तहकीकात कर हत्यारों की तलाश की। सोमवार को संदिग्धों से पुलिस पूछताछ के दौरान पता चला कि मृतका मिष्टी की दादी आलाखेड़ी थाना निकुम्भ जिला चितौड़गढ निवासी 60 वर्षीय लीला पत्नी भंवरलाल मेनारिया ने खुद पोते (लड़के) की चाहत में अपनी पोती को मार दिया और सबूतों को नष्ट करने के लिए अपने जेठ के बेटे 42 वर्षीय अर्जुन पुत्र सोहन लाल गोदीपुत्र राधाकिशन मेनारिया को बता साक्ष्य नष्ट करवाए।

खेल

सूर्यकुमार के तूफान में उड़ी बैंगलोर टीम, मुंबई इंडियंस ने किया हिसाब चुकता

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने आईपीएल 2023 के 54वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ धमाकेदार जीत हासिल की। मुंबई ने आरसीबी को स्टेडियम में 6 विकेट से रौंदा। मुंबई को 200 रन का टारगेट मिला, जो उसने महज 16.3 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। सूर्यकुमार यादव (35 गेंदों 83, सात चौके, 6 छक्के) ने तूफानी पारी खेली। वहीं, नेहल वढेरा 34 गेंदों में 52 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने 4 चौके और 3 छक्के मारे। सूर्या और नेहल ने तीसरे विकेट के लिए 140 रन की दमदार साझेदारी की।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने अच्छा आगाज किया। ईशान किशन (21 गेंदों में 42, चार चौके, चार छक्के) और रोहित शर्मा ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। रोहित 8 गेंदों केवल 7 रन ही बना सके। ईशान और रोहित को हसरंगा ने पांचवें ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद, सूर्या और नेहल ने मोर्चा संभाला और आरसीबी के गेंदबाजों की जमकर बखिया उधेड़ी। विजयकुमार वैशाख ने16वें ओवर में सूर्या और टिम डेविड (0) का शिकार किया। नेहल ने हर्षल के खिलाफ छक्का लगाकर मुंबई को जीत दिलाई। मुंबई ने इसी के हाथ हार का हिसाब भी चुकता कर दिया है। एमआई और आरसीबी की जब 2 अप्रैल को बेंगलुरु में भिड़ंत हुई थी, तब डुप्लेसी ब्रिगेड ने आठ विकेट से जीत हासिल की।

इससे पहले, आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 199 रन जुटाए। आरसीबी ने खराब आगाज किया। विराट कोहली (1) पहले ओवर में ही आउट हो गए। अनुज रावत 6 रन ही बना सके। यहां से फाप डुप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल ने मजबूत साझेदारी की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 120 रन जुटाए। मैकसवेल ने 33 गेंदों में 8 चौकों और 4 छक्कों के दम पर 68 रन की पारी खेली और 13वें ओवर में पवेलियन लौटे। डुप्लेसी ने 15वें ओवर में विकेट खोया। उन्होंने 41 गेंदों में 65 रन बनाए। उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के जड़े। महिपाल लोमरोर (1) का बल्ला नहीं चला। दिनेश कार्तिक ने 18 गेंदों में 30 रन का योगदान दिया। केदार जाधव और हसरंगा 12-12 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए बेहरनडॉप ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए।

सिनेमा

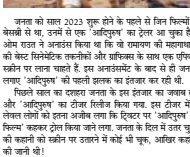

'आदिपुरुष' रिव्यू : अद्भुत बनाने के चक्कर में गायब हुआ फील, कमियों से भरा है ट्रेलर

जनता को साल 2023 शुरू होने के पहले से जिन फिल्मों का इंतजार बेसब्री से था, उनमें से एक 'आदिपुरुष' का ट्रेलर आ चुका है. डायरेक्टर ओम राउत ने अनाउंस किया था कि वो रामायण की महागाथा को, आज की बेस्ट सिनेमेटिक तकनीकों और ग्राफिक्स के साथ एक एपिक अंदाज में स्क्रीन पर लाना चाहते हैं. इस अनाउंसमेंट के बाद से ही जनता टकटकी लगाए 'आदिपुरुष' की पहली झलक का इंतजार कर रही थी.

पिछले साल का दशहरा जनता के इस इंतजार का जवाब लेकर आया और 'आदिपुरुष' का टीजर रिलीज किया गया. इस टीजर में VFX का लेवल लोगों को इतना अजीब लगा कि ट्विटर पर 'आदिपुरुष' को 'कार्टून फिल्म' कहकर ट्रोल किया जाने लगा. जनता के दिल में उतर चुकी रामायण की कहानी को स्क्रीन पर उतारने में कोई भी चूक, आखिर कहां ही बर्दाश्त की जानी थी!

मेकर्स ने दर्शकों के मूड को समझा और फिल्म टालकर इसके VFX और ग्राफिक्स को और सुधारने का फैसला किया. जनता का इंतजार थोड़ा और लंबा हो गया. मगर अब ये इंतजार खत्म हो चुका है और मंगलवार को, दोबारा 'फाइन-ट्यून' की गई 'आदिपुरुष' का ट्रेलर आ चुका है. इस बात के लिए मेकर्स की तारीफ करनी होगी कि अब 'आदिपुरुष' के ग्राफिक्स पहले से कहीं बेहतर नजर आ रहे हैं. साउंड और म्यूजिक डिपार्टमेंट में तो फिल्म का अच्छी-खासी बड़ी हॉलीवुड प्रोडक्शन्स को टक्कर दे सकती है.

अज्ञात वाहन ने ली दो दोस्तों की जान

तीसरे की हालत गंभीर, तीनों बाइक पर थे सवार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राऊ के नजदीक कैट रोड पर एक हादसे में दो स्टूडेंट की मौत हो गई। वहीं एक अन्य दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों को उपचार के लिये पहले एमवाय अस्पताल भेजा गया। इसके बाद दो को अन्य निजी अस्पताल रैफर किया गया। देर रात दूसरे दोस्त ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक जहां हादसा हुआ वहां काफी अंधेरा रहता है। उन्हें कोई अज्ञात वाहन टक्कर मारकर भागा है।

राऊ पुलिस के मुताबिक घटना रंगवासा के पास की है। यहां बाइक से प्रीत (22) पिता सुरेन्द्र चौहान निवासी सदर बाजार, उसका दोस्त हर्षवर्धन वर्मा निवासी रामबाग और भावेश पीथमपुर से इंदौर की तरफ आ रहे थे। रात करीब 1.30 बजे उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल प्रीत की अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। जबकि हर्ष वर्धन और भावेश को उपचार के लिये निजी अस्पताल भेजा गया। हर्ष वर्धन की भी कुछ देर बाद मौत हो गई। वहीं भावेश का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

प्रीत के पिता नेहरू पार्क स्थित नगर निगम के उद्यान विभाग में पदस्थ हैं। वहीं बड़ा भाई इवेंट मैनेजर है। प्रीत सराफा स्कूल में 12वीं में पढ़ता था। हर्षवर्धन भी 12वीं का स्टूडेंट है। लेकिन वह अन्य निजी स्कूल में पढ़ाई करता था। उसके पिता रेलवे में कर्मचारी है। वहीं भावेश पीथमपुर की निजी कंपनी में काम करता है। तीनों पीथमपुर भावेश के घर गए थे। फिलहाल पुलिस मामले में जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कैटरिंग का सामान ले जा रही पिकअप वाहन ने तीनों को टक्कर मारी है। प्रीत के परिवार के लोगों का कहना है कि जहां हादसा हुआ वहां पूरे रोड पर स्ट्रीट लाइट नहीं। जिसके कारण काफी अंधेरा था। जहां आए दिन लोग हादसे का शिकार होते रहते हैं।

व्यापारी को चाकू मारकर लूटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बाइक से आए बदमाशों ने दिनदहाड़े दुकान में घुसकर व्यापारी को चाकू मारे और नगदी एवं मोबाइल फोन लूट कर भाग गए। घटना तेजाजी नगर थाना अंतर्गत बाईपास स्थित जसपाल ढाबा के पास सर्विस रोड की है। यहां पर शिवम पिता सुरेश शिंदे निवासी लोटस कॉलोनी तेजाजी नगर की स्क्रैप की दुकान है। फरियादी शिवम शिंदे ने पुलिस को बताया कि दोपहर 1:30 बजे वहां दुकान पर अकेला था तभी बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर तीन युवक आए और स्क्रैप का भाव काम करने लगे और अचानक गालियां देने लगे फिर बदमाशों ने उसे चाकू मारा और जेब में रखा मोबाइल फोन तथा 10 हजार रुपए नकदी छीन कर भाग गए। तेजाजी नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 394 294 323 और 506 का प्रकरण दर्ज किया है।

निखिल हत्याकांड- रातभर होती रही आरोपियों की तलाश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सुखलिया में मंगलवार रात कपड़ा व्यापारी निखिल खलसे की छह बदमाशों ने हत्या कर दी। मामले में आरोपियों की पहचान होने के बाद उनकी तलाश में पुलिस ने रातभर अनेक स्थानों पर दबिश दी, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। उधर, इस हत्याकांड ने दो साल पहले बाणगंगा इलाके के करोल बाग में हुई दोहरे हत्याकांड की यादें ताजा कर दी। बताया जा रहा है कि निखिल की हत्या दोहरे हत्याकांड में मारे गए बदमाशों के साथियों ने बदला लेने के लिए की है।

उस दोहरे हत्याकांड में हिस्ट्रीशटर और पुलिसकर्मी के बेटे के दोस्त की करीब दो साल पहले समझौते के बहाने बुलाकर हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन मृतकों के दोस्त तभी से बदला लेने के लिए षडयंत्र रच रहे थे। पुलिस के मुताबिक हत्यारों को शक था कि निखिल उनके दोस्त के हत्यारों की आर्थिक मदद कर रहा था। बाणगंगा में 2021 में हुए हत्याकांड में 19 साल के अर्पित खाटे और गौरव मिश्रा की हत्या हुई थी। अर्पित पर 17 और गौरव मिश्रा पर 5 केस दर्ज थे। इस हत्याकांड में विष्णु भदौरिया पुत्र बजरंग भदौरिया निवासी आदर्श मौलिक नगर, सूरज सिंह उर्फ भूरा पुत्र प्रेम सिंह पंवार निवासी डाबरी पीठा, उज्जैन, राहुल उर्फ मोगली पुत्र नानकराम भास्करे निवासी देवास नाका और मंगेश पुत्र श्रीकात अकोलकर निवासी दीनदयाल उपाध्याय नगर सुखलिया को आरोपी बनाया गया था। वर्तमान में सभी जेल में बंद हैं।

भाई की हत्या का आरोपी पकड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कल रात आजाद नगर में छोटे भाई ने बड़े भाई के सीने में कैंची मारकर हत्या कर दी। गंभीर हालत में घायल भाई को लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे। मंगलवार रात बड़ा भाई अपने छोटे भाई के घर की नजदीक एक शादी समारोह में पहुंचा था। यहीं दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई।

टीआई इंद्रेश त्रिपाठी के मुताबिक मनोज पुत्र कैलाश खत्री निवासी मूसाखेड़ी पर मंगलवार रात करीब साढ़े 12 बजे उसके छोटे भाई सुमित ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर घायल मनोज को उपचार के लिये उसकी पत्नी नंदा और अन्य लोग एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां कुछ देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के मुताबिक मनोज हाउस कीपिंग का काम करता था। वह कुछ साल पहले अपनी पत्नी नंदा और चार साल की बेटी को लेकर परिवार से अलग हो गया था। घर से कुछ ही दूरी पर दूसरी गली में उसने मकान ले लिया था। चार साल पहले मनोज की शादी हुई थी। परिवार के लोगों ने बताया कि रात में मनोज अपने दोस्त की शादी में पहुंचा था। यहीं भाई सुमित से उसकी कहासुनी हो गई। जिसके बाद सुमित ने गुस्से में उसे सीने में कैंची मार दी। पुलिस के मुताबिक सुमित को हिरासत में ले लिया गया। मामले में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

ट्रैफिक पुलिस ने हेलमेट पहने वाहन चालकों को चॉकलेट और फूल दिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ट्रैफिक पुलिस द्वारा दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के प्रति जागरूक करने के चलते रोको टोको अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत हेलमेट धारण कर दो पहिया वाहन चलाने वाले चालकों को चॉकलेट और फूल देकर सम्मानित किया। पुलिस उपायुक्त मनीष कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में ट्रैफिक पुलिस की विभिन्न टीम द्वारा रोको टोको अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के पांचवे सप्ताह में कालानी नगर में वाहन चालकों को जागरूक किया। ट्रैफिक टीम सुबह 8:00 बजे इंद्रपुरी कॉलोनी पर एकत्रित हुए जिन्हें एसीपी अजीत सिंह चौहान द्वारा कॉलोनी में आने जाने वाले चेत्रई से 25 पॉइंट पर तैनात किया । टीम द्वारा बेरी गेट से लगाकर बैनर माइक से दुपहिया वाहन चालकों से हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाने के लिए अपील की गई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता क्षेत्रीय पार्षद सीखा संदीप दुबे एवं रहवासी शामिल हुए। उपायुक्त अग्रवाल ने हेलमेट जागरूकता अभियान को सफल बनाने में आए सभी रहवासी जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया। गुप्ता ने कहा कि यातायात पुलिस द्वारा यह सराहनीय प्रयास किया जा रहा है हम सभी इसमें पूरी तरह से सहयोग करेंगे।

बाघ का मूवमेंट -दो दिन से सर्चिंग में जुटी टीम, एक और फुटेज आया सामने

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। समीपस्थ महू के आर्मी क्षेत्र के वॉर कॉलेज में बाघ के मूवमेंट के बाद से ही वन विभाग और आर्मी अलर्ट मोड पर है। दरअसल सोमवार को आर्मी क्षेत्र में बाघ का सीसीटीवी फुटेज नजर आया था, उसके बाद से ही बाघ की सर्चिंग लगातार जारी है।

मंगलवार को भी वन विभाग की टीम आर्मी क्षेत्र में बाघ की सर्चिंग कर रही है तो वही ड्रोन कैमरे की सहायता से भी लगातार बाघ को ढूंढा जा रहा है। वन विभाग के डिप्टी रेंजर पवन जोशी का कहना है कि पग मार्क भी लिए हैं। नाइट विजन कैमरा भी लगाए गए थे। इन कैमरों को भी चेक किया जा रहा है कि बाघ की हलचल हुई या नहीं।

एक और कैमरे में कैद हुआ बाघ

बाघ का एक और 10 सेकेंड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें बाघ घूमते हुए नजर आ रहा है। वन विभाग की गाड़ी आसपास के क्षेत्रों में सावधान रहने का अनाउंसमेंट कर रही है। किसी को बाघ दिखाई देता है तो उसकी सूचना तुरंत वन विभाग को देने की भी अपील की जा रही है।

12 सटोरियों, तीन जुआरियों को पकड़ा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। किशनगंज थाना पुलिस ने सट्टे और जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हजारों में बरामद किए। इस दौरान पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार भी किया जो सट्टा लगाने आए थे। टीआई कुलदीप खत्री ने बताया कि मंगलवार दोपहर 3 बजे किशनगंज पुलिस को सूचना मिली थी की महूगांव क्षेत्र में कन्हैयालाल और लोकमन खुलेआम सट्टा ले रहे हैं तभी मौके पर जाकर पुलिस ने दबिश मारी तो यहां मौजूद 12 लोग सट्टा लगाते हुए रंगे हाथ पकड़े गए। जिन्हें गिरफ्तार कर थाने लाया गया। कन्हैयालाल और लोकमन के खिलाफ मुकदमा दर्ज उनसे रुपए बरामद किए हैं। इस दौरान तीन और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जो पास में ही जुआ खेल रहे थे।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।